

२४ माला शोधन विधि

आर्य समाज
ARY SAMAJ

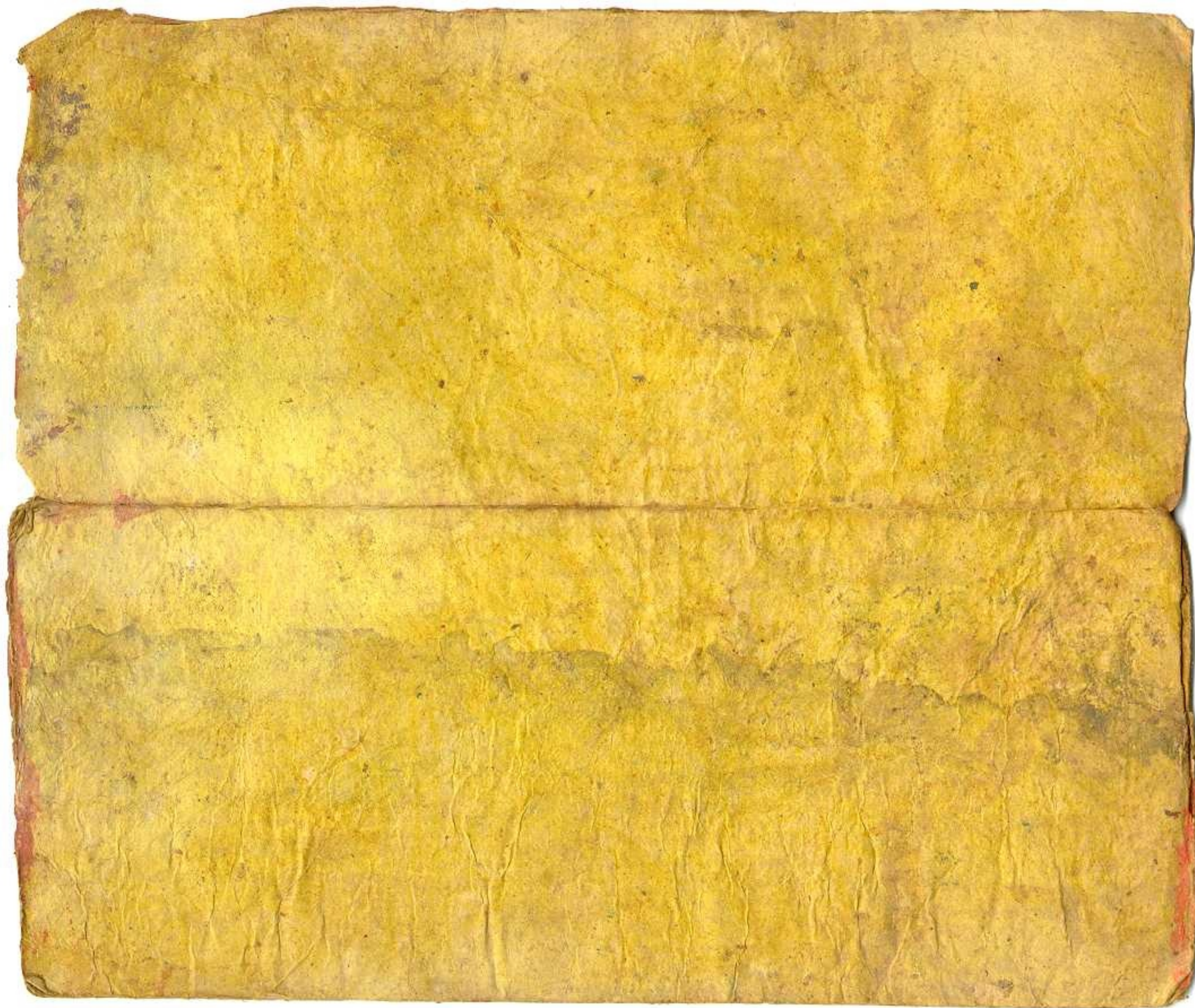
3063

धनं मन्त्रं साधु न॥ ॥ अथ ४ ॥ मा लाहन॥ नयिदि
य॥ नै जौ श्री कौ क मा ल गुं ० या मि स्वा हा ॥ थ र धि च्छ र ना
उ र य नि रु ने ॥ नै ज खे मो नो गुं ० या मि स्वा हा ॥ प्र वी ॥ नै छ
दं वं चं जं मे षं टं ० उं हं लं गं थं दं धं नू यं हूं वं रुं मुं यं लं नं
वं नं वं संहं लं हं जं आं हूं हूं उं तुं मुं मूं हूं हूं नूं नूं आं आं जूं मूं
सा हं हं स॥ धनं दययग्या उ अ ४ साधवया गु विमलने

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीसर्वज्ञान आवाहन जाय ॥ गिद्यव ॥ स्व आ
 माय न ॥ सांख्य योग युजा ॥ धूय दीय नैव द्य ॥ जाय ॥ स्का
 उ वा धन सह ॥ तर्पण ॥ नमि मा मा सा धन वि वि स मा य ॥
 मा हा का ल सहि या उ गु या म त न थ थ ॥ ॥ सं २ २ २ आ र वा
 द नु २ २ २ यो या जे थ थ सिं ह न थ श नी ॥ ॥ २ थ मा ला गं ठा का
 ल मे व के न्य म त उ (मा) ॥

	3063	3063 1904 1904
--	------	----------------------

1904



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्र तदा ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
 मामकाश्च पांडवाश्चैव किमकुर्वत
 स महाबाहो दिशोऽस्मिन् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २० ॥